

व्याकरण

Set No. 1

Question Booklet No.

00022

11P/250/1

(To be filled up by the candidate by blue/black ball-point pen)

Roll No.

| | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|
| | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|

Roll No. (Write the digits in words)

Serial No. of Answer Sheet

Day and Date

.....
(Signature of Invigilator)

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

(Use only *blue/black ball-point pen* in the space above and on both sides of the Answer Sheet)

1. Within 10 minutes of the issue of the Question Booklet, check the Question Booklet to ensure that it contains all the pages in correct sequence and that no page/question is missing. In case of faulty Question Booklet bring it to the notice of the Superintendent/Invigilators immediately to obtain a fresh Question Booklet.
2. Do not bring any loose paper, written or blank, inside the Examination Hall *except the Admit Card without its envelope*.
3. *A separate Answer Sheet is given. It should not be folded or mutilated. A second Answer Sheet shall not be provided. Only the Answer Sheet will be evaluated.*
4. Write your Roll Number and Serial Number of the Answer Sheet by pen in the space provided above.
5. *On the front page of the Answer Sheet, write by pen your Roll Number in the space provided at the top and by darkening the circles at the bottom. Also, wherever applicable, write the Question Booklet Number and the Set Number in appropriate places.*
6. *No overwriting is allowed in the entries of Roll No., Question Booklet no. and Set no. (if any) on OMR sheet and Roll No. and OMR sheet no. on the Question Booklet.*
7. *Any change in the aforesaid entries is to be verified by the invigilator, otherwise it will be taken as unfair means.*
8. *Each question in this Booklet is followed by four alternative answers. For each question, you are to record the correct option on the Answer Sheet by darkening the appropriate circle in the corresponding row of the Answer Sheet, by pen as mentioned in the guidelines given on the first page of the Answer Sheet.*
9. For each question, darken only one circle on the Answer Sheet. If you darken more than one circle or darken a circle partially, the answer will be treated as incorrect.
10. *Note that the answer once filled in ink cannot be changed. If you do not wish to attempt a question, leave all the circles in the corresponding row blank (such question will be awarded zero marks).*
11. For rough work, use the inner back page of the title cover and the blank page at the end of this Booklet.
12. Deposit only *OMR Answer Sheet* at the end of the Test.
13. You are not permitted to leave the Examination Hall until the end of the Test.
14. If a candidate attempts to use any form of unfair means, he/she shall be liable to such punishment as the University may determine and impose on him/her.

Total No. of Printed Pages :28

[उपर्युक्त निर्देश हिन्दी में अन्तिम आवरण पृष्ठ पर दिये गए हैं।]

11P/250/1

No. of Questions : 150

प्रश्नों की संख्या : 150

Time : 2 Hours

Full Marks : 450

समय : 2 घण्टे

पूर्णाङ्क : 450

Note : (1) Attempt as many questions as you can. Each question carries **3 (Three)** marks. **One mark will be deducted for each incorrect answer.** Zero mark will be awarded for each unattempted question.

अधिकाधिक प्रश्नों को हल करने का प्रयत्न करें। प्रत्येक प्रश्न **3 (तीन)** अंक का है। **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक अंक काटा जायेगा।** प्रत्येक अनुत्तरित प्रश्न का प्राप्तांक शून्य होगा।

(2) If more than one alternative answers seem to be approximate to the correct answer, choose the closest one..

यदि एकाधिक वैकल्पिक उत्तर सही उत्तर के निकट प्रतीत हों, तो निकटतम सही उत्तर दें।

1. सजातीयानामचां कतिविधो भेदो भवति?

- | | |
|----------------|-------------------------|
| (1) कालकृतः | (2) स्थानभागकृतः |
| (3) नासिकाकृतः | (4) उपर्युक्तः सर्वविधः |

2. 'ऊकालोऽज्झस्वदीर्घप्लुतः' इति सूत्रम् अचां कीदृशं भेदं प्रकटीकरोति?

- | | |
|-------------------|----------------|
| (1) स्थानभागकृतम् | (2) कालकृतम् |
| (3) नासिकाकृतम् | (4) स्थानकृतम् |

11P/250/1

3. 'वर्गाणां प्रथम-तृतीय--पञ्चमा यणश्चाल्प्राणाः' इत्यत्र 'च' कारः कस्य बोधकः?
- (1) 'हश्' प्रत्याहारस्य (2) 'खर्' प्रत्याहारस्य
(3) 'शल्' प्रत्याहारस्य (4) अचाम्
4. 'लृ-तु-लसानां दन्ताः' इत्यत्र कः समासः?
- (1) तत्पुरुषः (2) इतरेतरयोगद्वन्द्वः (3) बहुव्रीहिः (4) समाहारद्वन्द्वः
5. 'लृ' शब्दस्य षष्ठ्येकवचने किं रूपम्?
- (1) उर् (2) लुः (3) लः (4) उल्
6. 'अनचि चे' ति सूत्रे कीदृशः प्रतिषेधः?
- (1) पर्युदासः (2) प्रसज्यः (3) अल्पार्थकः (4) अप्राशस्त्यार्थकः
7. 'यत्रानेकविधमान्तर्यं' तत्र कीदृशमान्तर्यं बलीयः?
- (1) अर्थकृतम् (2) प्रमाणकृतम् (3) स्थानकृतम् (4) गुणकृतम्
8. 'प्रमाण' कृतान्तर्यस्योदाहरणमस्ति--
- (1) अम् (2) दण्डाग्रम् (3) पाकः (4) क्रोष्ट
9. 'पूर्वत्रासिद्धम्' इति कीदृशं सूत्रम्?
- (1) परिभाषासूत्रम् (2) अधिकारसूत्रम्
(3) अतिदेशसूत्रम् (4) सञ्ज्ञासूत्रम्
10. 'निलयते' इत्यत्रोपसर्गोऽस्ति--
- (1) निस् (2) नि (3) निर् (4) निल्

11. 'हलीषा' इत्यत्र पररूपसन्धौ विच्छेदोऽस्ति--
 (1) हलस्+ईषा (2) हल+ईषा (3) हल्+ईषा (4) हलि+ईषा
12. 'नानुबन्धकृतमनेकाल्त्वम्' इति परिभाषा केन सूत्रेण ज्ञापिता भवति?
 (1) वाह ऊट् (2) तस्य लोपः
 (3) अनेकाल् शित् सर्वस्य (4) गुप्-तिज्-किद्भ्यः सन्
13. 'डिच्च' इति सूत्रमस्ति--
 (1) अधिकारसूत्रम् (2) विधिसूत्रम्
 (3) परिभाषासूत्रम् (4) नियमसूत्रम्
14. 'आ+इहि= एहि' इत्यत्र 'आङ्' कस्मिन्नर्थे प्रयुक्तः?
 (1) ईषदर्थे (2) क्रियायोगे (3) मर्यादायाम् (4) अभिविधौ
15. 'विद्वान्+लिखति' इत्यस्य सन्धौ भवति--
 (1) विद्वाल्लिखति (2) विद्वान् लिखति
 (3) विद्वाल्लिखति (4) विद्वाल्लिखति
16. अधोलिखितेषु विधिसूत्रमस्ति--
 (1) उदः स्थास्तम्भोः पूर्वस्य (2) आदेः परस्य
 (3) तस्मादित्युत्तरस्य (4) सुपः
17. 'वाग्+हरि' इत्यत्र हकारस्य पूर्वसवर्णो घकारः केन आन्तर्येण भवति?
 (1) स्थानकृतेन (2) गुणकृतेन (3) अर्थकृतेन (4) प्रमाणकृतेन

11P/250/1

18. 'अहम्+लिखामि' = 'अहल्लिखामि' इत्यत्र मस्यानुस्वारस्य परसवर्णो भवति केन सूत्रेण?

- | | |
|------------------|-------------------------------|
| (1) वा पदान्तस्य | (2) अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः |
| (3) तोर्लि | (4) उदः स्थास्तम्भोः पूर्वस्य |

19. 'भाव्यमानोऽप्युकारः सवर्णान् गृह्णाति' इति परिभाषा केन सूत्रेण ज्ञाप्यते?

- | | |
|-----------------|---------------------------------|
| (1) त्यदादीनामः | (2) इदमो मः |
| (3) दिव उत् | (4) अणुदित् सवर्णस्य चाप्रत्ययः |

20. व्युत्पत्तिपक्षे प्रातिपदिकसञ्ज्ञाविधायकं शास्त्रमस्ति--

- | | |
|--------------------------------------|----------------------------|
| (1) अर्थवदधातुरप्रत्ययः प्रातिपदिकम् | (2) कृत्तद्धितसमासाश्च |
| (3) ड्याप्प्रातिपदिकात् | (4) सुपो धातुप्रातिपदिकयोः |

21. 'यस्मात् प्रत्ययविधिस्तदादि प्रत्ययेऽङ्गम्' इति सूत्रे 'तदादि' पदे समासोऽस्ति--

- | | |
|---------------|--------------------------------|
| (1) तत्पुरुषः | (2) तद्गुणसंविज्ञानबहुव्रीहिः |
| (3) कर्मधारयः | (4) अतद्गुणसंविज्ञानबहुव्रीहिः |

22. 'स्थानिवदादेशोऽनल्विधौ' इत्यत्र 'अलि विधिः = अल्विधिः' इत्यस्योदाहरणमस्ति--

- | | | | |
|-----------|--------------|-------------|------------------|
| (1) द्यौः | (2) द्युकामः | (3) क इष्टः | (4) व्यूढोरस्केन |
|-----------|--------------|-------------|------------------|

23. 'अचः परस्मिन् पूर्वविधौ' इत्यत्र 'पूर्वत्वस्य अवधिः' कः?

- | | | | |
|------------|-----------|-----------------|-------------------|
| (1) स्थानी | (2) आदेशः | (3) परनिमित्तम् | (4) स्थानिभूतोऽच् |
|------------|-----------|-----------------|-------------------|

24. 'न पदान्ते' ति सूत्रे 'विधि' शब्दोऽस्ति--

- | | |
|---------------|-----------------|
| (1) कर्मसाधनः | (2) भावसाधनः |
| (3) करणसाधनः | (4) अधिकरणसाधनः |

25. 'सर्व+सुट् आम्' = 'सर्वेषाम्' इत्यत्र 'आम्' ग्रहणेन सामः कया परिभाषया ग्रहणं भवति?

- (1) यदागमास्तद्गुणीभूतास्तद्ग्रहणेन गृह्यन्ते
- (2) निर्दिश्यमानस्यादेशा भवन्ति
- (3) प्रातिपदिकग्रहणे लिङ्गविशिष्टस्यापि ग्रहणम्
- (4) प्रकृतिवदनुकरणं भवति

26. 'सुप्तिङन्तं पदम्' इति सूत्रे 'अन्त' ग्रहणेन परिभाषा ज्ञाप्यते--

- (1) प्रत्ययग्रहणे तदन्तग्रहणम्
- (2) सञ्ज्ञाविधौ प्रत्ययग्रहणे तदन्तग्रहणं नास्ति
- (3) प्रत्ययाप्रत्यययोः प्रत्ययस्य ग्रहणम्
- (4) प्रत्येकं वाक्यपरिसमाप्तिः

27. पुल्लिङ्गे 'विश्वपा' शब्दस्य षष्ठीबहुवचने रूपम् भवति--

- (1) विश्वपाम्
- (2) विश्वपानाम्
- (3) विश्वपेषाम्
- (4) विश्वपः

28. 'सख्युरसम्बुद्धौ' इति सूत्रमस्ति--

- (1) नियमसूत्रम्
- (2) विधिसूत्रम्
- (3) सञ्ज्ञासूत्रम्
- (4) अतिदेशसूत्रम्

29. 'दिव औत्' इत्यत्र 'दिव्' इत्यनेन कस्य ग्रहणम्?

- (1) अव्युत्पन्नप्रातिपदिकस्य
- (2) व्युत्पन्नप्रातिपदिकस्य
- (3) दिवुँ धातोः
- (4) सर्वेषाम्

30. 'रोः सुपि' इति सूत्रमस्ति--

- (1) नियमसूत्रम्
- (2) विधिसूत्रम्
- (3) परिभाषासूत्रम्
- (4) अधिकारसूत्रम्

11P/250/1

31. 'अतोगुणे' इत्यनेन पररूपं भवति--

- | | |
|-----------------------|--------------------|
| (1) पदान्तात् | (2) अपदान्तात् |
| (3) प्रातिपदिकान्तात् | (4) सम्बोधनान्तात् |

32. 'आद्यन्तवदेकस्मिन्' इति परिभाषासूत्रस्य लक्ष्यमस्ति--

- | | | | |
|----------------|-------------|---------|------------------|
| (1) रामाभ्याम् | (2) आभ्याम् | (3) इमौ | (4) सुद्युभ्याम् |
|----------------|-------------|---------|------------------|

33. 'उगिदचाम्' इत्यादिसूत्रे 'अच्' शब्देन को धातुर्गृह्यते?

- | | |
|--------------------------------------|-----------------------|
| (1) अञ्जू व्यक्तिप्रक्षणाकान्तिगतिषु | (2) अञ्चु गतौ याचने च |
| (3) अञ्चु विशेषणे | (4) अञ्चु गतिपूजनयोः |

34. 'डे प्रथमयोरम्' इत्यत्र 'प्रथमयोरि' ति पदेन किमभिप्रेतम्?

- | | |
|------------------------------|------------------------------------|
| (1) प्रथमाविभक्तेः द्विवचनम् | (2) द्वितीयाविभक्तेः द्विवचनम् |
| (3) प्रथमा-द्वितीया विभक्ती | (4) प्रथमा-द्वितीयाविभक्तेरेकवचनम् |

35. द्वितीयैकवचने 'युष्मद्' शब्दस्यादेशो भवति--

- | | | | |
|----------|--------|----------|--------|
| (1) वाम् | (2) नौ | (3) त्वा | (4) नः |
|----------|--------|----------|--------|

36. 'प्रति+अञ्चु+क्विन्+शस्' इत्यस्य पुल्लिङ्गे रूपं भवति--

- | | | | |
|--------------|----------------|-------------|------------------|
| (1) प्रत्यङ् | (2) प्रत्यञ्चः | (3) प्रतीचः | (4) प्रत्यञ्चान् |
|--------------|----------------|-------------|------------------|

37. 'महान्तौ' इत्यत्रोपधादीर्घविधायकमस्ति--

- | | |
|-------------------------------|-------------------------|
| (1) सर्वनामस्थाने चासम्बुद्धौ | (2) सान्तमहतः संयोगस्य |
| (3) इन्-हन्-पूषार्यम्णां शौ | (4) अत्वसन्तस्य चाधातोः |

38. 'अभ्यस्त' सञ्ज्ञाविधायकं सूत्रमस्ति--

- | | |
|----------------------|---------------------|
| (1) जक्षित्यादयः षट् | (2) सर्वस्य द्वे |
| (3) नित्यवीप्सयोः | (4) यथास्वे यथायथम् |

39. 'ऊर्ज्' शब्दस्य नपुंसकलिङ्गे प्रथमाबहुवचने शुद्धः प्रयोगोऽस्ति--

- | | | | |
|-----------|-----------|-----------|-----------|
| (1) ऊर्जि | (2) ऊर्जि | (3) ऊर्जि | (4) ऊर्जि |
|-----------|-----------|-----------|-----------|

40. पाणिनिना अष्टाध्याय्यां वैयाकरणानामुल्लेखः कृतः--

- | | | | |
|---------------|-------------|---------------|-------------|
| (1) अष्टानाम् | (2) दशानाम् | (3) सप्तानाम् | (4) षण्णाम् |
|---------------|-------------|---------------|-------------|

41. पाणिन्युपज्ञाता सञ्ज्ञास्ति--

- | | | | |
|--------------------|-------------------|-----------------|-----------------|
| (1) अभ्यस्तसञ्ज्ञा | (2) उदात्तसञ्ज्ञा | (3) कारकसञ्ज्ञा | (4) द्युसञ्ज्ञा |
|--------------------|-------------------|-----------------|-----------------|

42. 'सङ्ग्रह' ग्रन्थस्य रचयितासीत्--

- | | | | |
|--------------|-------------|-------------|---------------|
| (1) पतञ्जलिः | (2) व्याडिः | (3) पाणिनिः | (4) कात्यायनः |
|--------------|-------------|-------------|---------------|

43. पदमञ्जरीकारेण 'वाक्यकार' सञ्ज्ञा कस्य विहिता?

- | | | | |
|-----------------|---------------|-------------|--------------|
| (1) कात्यायनस्य | (2) भर्तृहरेः | (3) व्याडेः | (4) पतञ्जलेः |
|-----------------|---------------|-------------|--------------|

44. शब्दकौस्तुभस्य रचयिताऽऽसीत्--

- | | | | |
|---------------|-----------|---------------|---------------------|
| (1) भर्तृहरिः | (2) वामनः | (3) जयादित्यः | (4) भट्टोजिदीक्षितः |
|---------------|-----------|---------------|---------------------|

45. शरणदेवस्य कृतिरस्ति--

- | | | | |
|-----------------|-------------------|----------------|-------------------|
| (1) भाषावृत्तिः | (2) दुर्घटवृत्तिः | (3) भागवृत्तिः | (4) काशिकावृत्तिः |
|-----------------|-------------------|----------------|-------------------|

11P/250/1

46. गणरत्नमहोदधे: कर्ताऽऽसीत्--

- (1) कैयटः (2) भर्तृहरिः (3) वर्धमानसूरिः (4) हेलाराजः

47. अभिनवगुप्तः कस्य शिष्य आसीत्?

- (1) पुण्यराजस्य (2) हेलाराजस्य (3) चन्द्राचार्यस्य (4) हरिस्वामिनः

48. वाक्यपदीयस्य प्रकीर्णककाण्डे कति समुद्देशाः?

- (1) दश (2) त्रयोदश (3) चतुर्दश (4) पञ्चदश

49. वैद्यनाथपायगुण्डेप्रणीता टीकास्ति--

- (1) उद्द्योतनाम्नी (2) छायानाम्नी (3) भागवृत्तिः (4) शब्दप्रभा

50. रूपावतारस्य प्रणेतासीत्--

- (1) विमलसरस्वती (2) धर्मकीर्तिः
(3) रामचन्द्रः (4) नृसिंहः

51. सिद्धान्तकौमुद्यास्तस्वबोधिनीटीकायाः प्रणेता आसीत्--

- (1) ज्ञानेन्द्रसरस्वती (2) वासुदेवदीक्षितः
(3) शिवरामत्रिपाठी (4) नागेशभट्टः

52. 'वैयाकरणभूषणम्' कस्य रचना?

- (1) भट्टोजिदीक्षितस्य (2) वनमालीमिश्रस्य
(3) कौण्डभट्टस्य (4) हरिदीक्षितस्य

53. 'वैयाकरणसिद्धान्तमञ्जूषे' ति ग्रन्थस्य प्रणेतासीत्--

- | | |
|-----------------------|----------------|
| (1) वैद्यनाथपायगुण्डे | (2) नागेशभट्टः |
| (3) भट्टोजिदीक्षितः | (4) बालम्भट्टः |

54. लघुशब्देन्दुशेखरस्य चितस्थिमालायाः रचयितासीत्--

- | | |
|-----------------------------|-----------------------|
| (1) श्री गुरुप्रसादशास्त्री | (2) शिवनारायणशास्त्री |
| (3) वैद्यनाथपायगुण्डः | (4) भैरवमिश्रः |

55. 'सार्वधातुकार्धधातुकयोरि' ति गुणो भवति--

- | | | | |
|--------------|--------------|------------------|---------------|
| (1) अजन्तस्य | (2) एजन्तस्य | (3) इगन्ताङ्गस्य | (4) पुगन्तस्य |
|--------------|--------------|------------------|---------------|

56. गत्युपसर्गसञ्ज्ञकाः प्रयोक्तव्याः--

- | | |
|------------------|--------------------------|
| (1) धातोरनन्तरम् | (2) प्रातिपदिकात्पूर्वम् |
| (3) धातोःप्रागेव | (4) प्रातिपदिकादनन्तरम् |

57. 'नित्यं ङितः' इत्यनेन संलोपो भवति--

- | | |
|-------------------|-----------------|
| (1) लोटः प्रथमस्य | (2) लिङुत्तमस्य |
| (3) लृङुत्तमस्य | (4) ङितुत्तमस्य |

58. 'क्किङ्ति चे' ति गुणवृद्धी न स्तः--

- | | |
|-----------------------------|------------------------|
| (1) अजन्तलक्षणे | (2) इग्लक्षणे |
| (3) 'किति चे' त्यादिवृद्धिः | (4) 'ओर्गुणः' इति गुणः |

11P/250/1

59. 'सिजभ्यस्तविदिभ्यश्च' इति सूत्रे 'विद्' धातुना गृह्यते--

- | | |
|-------------------------|------------------------|
| (1) 'विद् सत्तायामि' ति | (2) 'विद् विचारणे' इति |
| (3) 'विद्लुं लाभे' इति | (4) 'विदेँ ज्ञाने' इति |

60. 'अकटीत्' इत्यत्र 'अतो हलादेरि' ति वृद्धिर्न भवति--

- | | |
|--------------------|----------------------|
| (1) ण्यन्तत्वात् | (2) एदित्वात् |
| (3) इडादिसिजभावात् | (4) लकारस्य डित्वात् |

61. 'सनाद्यन्ता धातवः' इत्यत्र सनादयः प्रत्ययाः कति?

- | | | | |
|--------|------------|--------|-----------|
| (1) दश | (2) द्वादश | (3) नव | (4) अष्टौ |
|--------|------------|--------|-----------|

62. 'आयादय आर्घधातुके वा' इत्यत्र 'आयादयः' प्रत्ययाः के?

- | | |
|------------------------|-------------------------|
| (1) आय, ईयङ्, णिङ् | (2) सन्, क्यच्, काप्यच् |
| (3) क्यङ्, क्यष्, णिच् | (4) यङ्, यक्, क्विप् |

63. 'एकाच्' 'अनुदात्तश्च' धातुरस्ति--

- | | | | |
|------------------|-----------------|----------------|------------------|
| (1) भू सत्तायाम् | (2) कृ विक्षेपे | (3) या प्रापणे | (4) शीङ् स्वप्ने |
|------------------|-----------------|----------------|------------------|

64. तासि नित्यानिट् यो धातुस्तत्र भवति--

- | | | | |
|----------------|----------|----------|---------------|
| (1) नित्यानिट् | (2) वेट् | (3) सेट् | (4) सेडनिट् च |
|----------------|----------|----------|---------------|

65. 'आदेच उपदेशेऽशित्ति' त्यत्र 'शिति' इति पदे समासोऽस्ति--

- | | | | |
|----------------|---------------|---------------|---------------|
| (1) बहुव्रीहिः | (2) कर्मधारयः | (3) तत्पुरुषः | (4) द्वन्द्वः |
|----------------|---------------|---------------|---------------|

66. 'सार्वधातुकमपित्' इति सूत्रमस्ति--
 (1) सञ्ज्ञासूत्रम् (2) विधिसूत्रम् (3) अतिदेशसूत्रम् (4) परिभाषासूत्रम्
67. 'आम्प्रत्ययवदि' त्यादि सूत्रे 'आम्प्रत्यय' इत्यत्र समासोऽस्ति--
 (1) कर्मधारयः (2) तद्गुणसंविज्ञानबहुव्रीहिः
 (3) षष्ठी तत्पुरुषः (4) अतद्गुणसंविज्ञानबहुव्रीहिः
68. 'वृत् वृत्तने' धातोर्लुङि मध्यमपुरुषैकवचने रूपं भवति--
 (1) अवर्तथाः (2) अवृतः (3) अवत्स्यः (4) वर्तथाः
69. 'लिट्यभ्यासस्योभयेषाम्' इत्यत्र 'उभयेषामि'--त्यनेन कस्य ग्रहणम्?
 (1) ष्यङः सम्प्रसारणम् (2) विभाषा श्वेः
 (3) ह्रः सम्प्रसारणम् (4) वच्यादीनां ग्रह्यादीनां च
70. उच्चारणार्थक इकार आदेशे कुत्र न प्रयुक्तः?
 (1) ब्रुवो वचिः (2) वेजो वयिः
 (3) णौ गमिरबोधने (4) हनो वध लिङि
71. 'ख्या प्रकथने' धातोः कुत्र प्रयोगो भवति?
 (1) सार्वधातुकलकारेष्वेव (2) लिटि
 (3) लङि (4) लुङि
72. 'विदो लटो वा' इत्यनेन परस्मैपदानां णलादयः कुत्र भवन्ति?
 (1) लोटि (2) लृटि (3) लटि (4) लङि

11P/250/1

73. 'तनादिकृञ्भ्य उः' इत्यत्र तनादित्वादेव सिद्धे कृञ्ग्रहणं किं ज्ञापयति?
- (1) गणकार्यमनित्यम् (2) आगमशास्त्रमनित्यम्
(3) अनुदात्तेत्वलक्षणमात्मनेपदमनित्यम् (4) नञ्घटितमनित्यम्
74. 'दुह प्रपूरणे' इत्यत्र 'प्रपूरणमि' त्यस्यार्थोऽस्ति--
- (1) प्रकृष्टपूरणम् (2) प्रगतपूरणम् (3) प्रपतितं पूरणम् (4) पूरणाभावः
75. 'चर्करीतमि' ति सञ्ज्ञास्ति--
- (1) सन्नन्तस्य (2) यङन्तस्य (3) यङ्लुगन्तस्य (4) ण्यन्तस्य
76. 'दाधाध्वदाप्' इत्यनेन घुसंज्ञकधातुर्नास्ति--
- (1) दाण् दाने (2) डुदाञ् दाने (3) दैप् शोधने (4) देङ् रक्षणे
77. 'परि+विद्लृ+तृच्' = 'परिवेत्ता' इत्यस्यार्थः--
- (1) पूर्वजः
(2) परिज्ञाता
(3) परिचितः
(4) ज्येष्ठं परित्यज्य दारानग्नींश्च यो लब्धवान्
78. 'उच्छि उञ्छे' इति धातुनिष्पन्नस्य 'उञ्छ' शब्दस्यार्थः--
- (1) कणश आदानम् (2) कणशाद्यर्जनम्
(3) प्रोज्छनम् (4) निःश्वासः

79. 'शिष्णु' धातोर्निष्पन्नः 'शिष्णु' इति प्रयोगोऽस्ति--

- | | |
|---------------------------|---------------------------|
| (1) लोटि मध्यमपुरुषैकवचने | (2) लिति मध्यमपुरुषैकवचने |
| (3) लटि प्रथमपुरुषैकवचने | (4) लटि मध्यमपुरुषैकवचने |

80. ताच्छील्ये णिनिप्रत्ययस्योदाहरणं नास्ति--

- | | |
|-------------------|---------------|
| (1) उष्णभोजी | (2) प्रियवादी |
| (3) उष्णभोज आतुरः | (4) मितभाषी |

81. 'क्त' प्रत्ययान्तस्योदाहरणमस्ति--

- | | |
|-------------------|--------------------|
| (1) स्नातं मया | (2) विश्वं कृतवान् |
| (3) फलं खादितवान् | (4) ग्रामं गतवान् |

82. 'ग्लानः' इत्यत्र तकारस्य नकारविधायकं शास्त्रमस्ति--

- | | |
|--|-------------------------------|
| (1) रदाभ्यां निष्ठातो नः पूर्वस्य च दः | (2) संयोगादेरातो धातोर्यण्वतः |
| (3) ओदितश्च | (4) ल्वादिभ्यः |

83. 'पच्' धातोः कर्मणि निष्ठातकारे रूपमस्ति--

- | | | | |
|--------------|-----------|-----------|-----------|
| (1) पक्ववान् | (2) पक्तः | (3) पक्नः | (4) पक्वः |
|--------------|-----------|-----------|-----------|

84. 'पत्' धातोः 'ष्टृन्' प्रत्यये रूपं जायते--

- | | | | |
|------------|-------------|--------------|--------------|
| (1) पत्रम् | (2) पात्रम् | (3) पत्त्रम् | (4) पक्त्रम् |
|------------|-------------|--------------|--------------|

85. 'दुयाच्' धातोः भावे नङ् प्रत्ययेन रूपम् सिद्ध्यति--

- | | | | |
|--------------|------------|------------|-----------|
| (1) दुयाचृणः | (2) याच्ञा | (3) याञ्चा | (4) याचना |
|--------------|------------|------------|-----------|

11P/250/1

86. 'अधीतिः' इत्यत्र प्रकृतिप्रत्ययौ स्तः--

- | | |
|--------------------|-----------------|
| (1) अधि+क्तिन् | (2) अधी+क्तिन् |
| (3) अदि इङ्+क्तिन् | (4) अधिइङ्+तिप् |

87. 'अलंखल्वोः प्राचां क्त्वा' इत्यनेन 'क्त्वा' प्रत्ययः कस्मिन्नर्थे--

- | | | | |
|------------|------------|----------|-------------|
| (1) कर्मणि | (2) कर्तरि | (3) भावे | (4) अधिकरणे |
|------------|------------|----------|-------------|

88. 'जहातेश्च क्त्वि' इति सूत्रे 'जहाति' इत्यनेन कस्य घातोर्ग्रहणम्?

- | | |
|-------------------|---------------|
| (1) हु दानादानयोः | (2) ओहाङ् गतौ |
| (3) ओहाक् त्यागे | (4) हि गतौ |

89. 'नित्यवीप्सयोरि' त्यत्र 'नित्य' शब्देन किमभिप्रेतम्?

- | | |
|------------------------|-------------------|
| (1) यः कृताकृतप्रसङ्गी | (2) कूटस्थनित्यता |
| (3) प्रावाहिकी नित्यता | (4) आभीक्ष्यम् |

90. 'आभीक्ष्यं' कुत्र सम्भवति?

- | | |
|---------------------------------------|-------------------|
| (1) तद्धिते | (2) समासे |
| (3) तिङन्तेषु अव्ययसञ्ज्ञककृदन्तेषु च | (4) प्रातिपदिकेषु |

91. वीप्साया उदाहरणमस्ति--

- | | |
|--------------------|--------------------------|
| (1) ध्यायं ध्यायम् | (2) स्मारं स्मारम् |
| (3) स्थायं स्थायम् | (4) ग्रामो ग्रामो रमणीयः |

92. 'सकर्मकत्वम्' किम्?

- | | |
|--------------------------------|----------------------------------|
| (1) फलाश्रयत्वम् | (2) व्यापाराश्रयत्वम् |
| (3) फलव्यधिकरणव्यापारवाचकत्वम् | (4) फलसमानाधिकरणव्यापारवाचकत्वम् |

93. 'साधकतमं करणमि'त्यत्र 'तमप्' ग्रहणेन किं ज्ञाप्यते?

- (1) कारकप्रकरणे 'साधकतममि' ति सूत्रादन्यत्र गौणमुख्यन्यायो न प्रवर्तते
- (2) अर्थवद्ग्रहणे नानर्थकस्य ग्रहणम्
- (3) निर्दिश्यमानस्यादेशा भवन्ति
- (4) क्वचिदेकदेशोऽपि प्रवर्तते

94. 'गौणे कर्मणि दुह्यादेरि' ति नियमेन शुद्धमस्ति--

- | | |
|-----------------------------|------------------------------|
| (1) सुधा क्षीरनिधिं मथ्यते | (2) सुधां क्षीरनिधिर्मथ्यते |
| (3) सुधां क्षीरनिधिं मथ्यते | (4) सुधायै क्षीरनिधिं मथ्यते |

95. 'प्रभुर्बुभूषुर्भुवनत्रयस्य' इत्यत्र षष्ठीविभक्तौ किम्मानम्?

- | | |
|---------------------------------------|--|
| (1) अलमिति पर्याप्त्यर्थग्रहणम् | (2) 'नमः स्वस्तिस्वाहे' त्यादि सूत्रम् |
| (3) उपपदविभक्तेः कारक विभक्तिर्बलीयसी | (4) 'स एषां ग्रामणीः' इति सूत्रम् |

96. 'प्रधाने नी-ह-कृध्वहाम्' इति नियमेन कर्मणि प्रयोगो भवति--

- | | |
|------------------------|--------------------------|
| (1) ग्रामम् अजां वहति | (2) ग्रामम् अजाम् उह्यते |
| (3) ग्रामम् अजा उह्यते | (4) ग्रामः अजा उह्यते |

97. कर्मद्वारकौपश्लेषिकाधारस्योदाहरणमस्ति--

- | | | | |
|---------------|------------------|--------------------|-----------------------|
| (1) कटे आस्ते | (2) तिलेषु तैलम् | (3) स्थात्यां पचति | (4) मोक्षे इच्छामस्ति |
|---------------|------------------|--------------------|-----------------------|

11P/250/1

98. 'इकोयणची' ति सूत्रे 'अचि' इत्यत्र कीदृश आधारे सप्तमी?

- (1) वैषयिकाधारे (2) अभिव्यापकाधारे
(3) गौणाभिव्यापके (4) औपश्लेषिकाधारे

99. 'दन्तयोर्हन्ति कुञ्जरम्' इत्यत्र कुञ्जरेण कर्मणा दन्तयोः को योगः?

- (1) संयोगः (2) समवायः (3) स्वरूपः (4) व्याप्तिः

100. 'ग्रामाद् बहिः' इत्यत्र पञ्चम्यां को हेतुः?

- (1) 'अप-परि-बहिरञ्चवः पञ्चम्या' इति समास-विधानम्
(2) आङ् मर्यादावचने
(3) 'विभाषा गुणेऽस्त्रियामि' ति सूत्रे 'विभाषे' ति योग विभागः
(4) 'कार्तिक्याः प्रभृति' इति भाष्यप्रयोगः

101. 'हेतोः' इत्यत्र कीदृशो हेतुर्गृह्यते?

- (1) तत्प्रयोजको हेतुश्च (2) फलसाधनीभूतो लौकिको हेतुः
(3) करणवाचकः (4) कृत्रिमो हेतुः

102. वैयाकरणमते धात्वर्थोऽस्ति--

- (1) फलम् (2) भावना
(3) कर्ता (4) फलव्यापारौ

103. वैयाकरणमते तिङर्थः--

- (1) कृतिः (2) कर्म
(3) भावना (4) कर्तृ-कर्म-संख्या-कालाः

104. कर्मवद्भावः कुत्र न भवति?

- (1) निर्वर्त्यकर्मणि (2) विकार्यकर्मणि (3) प्राप्यकर्मणि (4) सर्वत्र

105. 'कटप्रूः' इत्यत्र समासोऽस्ति--

- (1) सुपां सुपा (2) सुपां तिडा (3) सुपां नाम्ना (4) सुपां धातुना

106. 'पङ्कज' शब्दे शक्तिरस्ति--

- (1) रूढिः (2) यौगिकी (3) योगरूढिः (4) यौगिकरूढिः

107. 'परार्थाभिधानरूपा वृत्तिः कतिविधा?

- (1) कृदन्तरूपैका
 (2) कृत्तद्धितरूपा द्विविधा
 (3) कृत्तद्धितसमासरूपा त्रिविधा
 (4) कृत्तद्धितसमासैकशेषसनाद्यन्तधातुरूपापञ्चविधा

108. 'गोपि इति= अधिगोपम्' इत्यत्र कस्मिन्नर्थे कः समासः?

- (1) सप्तमी तत्पुरुषः (2) पश्चादर्थेऽव्ययीभावः
 (3) विभक्त्यर्थेऽव्ययीभावः (4) सादृश्यार्थेऽव्ययीभावः

109. 'सप्तर्षयः' इत्यत्र केन कः समासः?

- (1) 'दिवसंख्ये सञ्जायामि' त्यनेन कर्मधारयसमासः
 (2) 'संख्यापूर्वो द्विगुः' इति द्विगुसमासः
 (3) 'विशेषणं विशेष्येण बहुलमि' ति कर्मधारयसमासः
 (4) 'अनेकमन्यपदार्थे' इति बहुव्रीहिसमासः

11P/250/1

110. 'कुगतिप्रादयः' इति विहितगतिसमासो विधीयते--

- (1) सुबन्तक्रियया (2) तिङन्तक्रियया (3) तद्धितेन (4) सनाद्यन्तेन

111. 'तत्रोपपदं सप्तमीस्थमि' त्यत्र को धात्वधिकारो गृह्यते?

- (1) धातोः कर्मणः समानकर्तृकादिच्छायां वेति
(2) धातोरेकाचो हलादेः क्रियासमभिहारे यङिति
(3) धातोेरिति
(4) धातुसम्बन्धे प्रत्यया इति

112. 'त्रीणि श्राद्धे पवित्राणि दौहित्रः कुतुपस्तिलाः' इत्यत्र 'पवित्राणि' इत्यत्र नपुंसकलिङ्गे कथम्प्रयोगः?

- (1) अर्धर्चाः पुंसि च (2) सामान्ये नपुंसकम्
(3) नपुंसकमनपुंसकेनैकवच्चास्यान्यतरस्याम् (4) परवल्लिङ्गं द्वन्द्वतत्पुरुषयोः

113. 'सप्तम्युपमानपूर्वपदस्योत्तरपदलोपश्चे' त्यस्य उपमानयुक्तपूर्वपदस्योदाहरणमस्ति--

- (1) कण्ठेकालः (2) चक्रपाणिः (3) उष्ट्रमुखः (4) इन्दुमौलिः

114. 'पञ्चषाः' इत्यत्र कः समासः?

- (1) द्वन्द्वसमासः (2) तत्पुरुष समासः (3) द्विगुसमासः (4) बहुव्रीहि समासः

115. 'मातापितरौ' इत्यत्र 'मातृ' शब्दस्य पूर्वनिपाते को नियमः ?

- (1) लघ्वक्षरञ्च पूर्वम् (2) अल्पाक्षरम्
(3) अभ्यर्हितञ्च (4) धर्मादिष्वनियमः

116. 'समकाले भवः' इत्याद्यर्थे प्रयोगो भवति--

- (1) समकालीनः (2) सामकालिकः (3) सामकालीनः (4) समकालिकः

117. 'उपाध्यायादागतः' इत्यर्थे प्रयोगः--

- (1) औपाध्यायः (2) औपाध्यायिकः (3) औपाध्यायकः (4) उपाध्यायीयः

118. 'ह्यो गोदोहस्य विकारः' इत्यर्थे निष्पद्यते--

- (1) हैयोगोहः (2) ह्योगोदोहीनः (3) ह्यौगोदोहिकः (4) हैयङ्गवीनम्

119. 'प्रशस्ता वाग् अस्ति अस्ये' ति विग्रहे प्रयोगो भवति--

- (1) वाग्मी (2) वाग्मी (3) वाचालः (4) वाचाटः

120. 'व' संज्ञा भवति--

- (1) 'दा-धा' इत्यनयोः (2) 'क्त-क्नतु' इत्यनयोः
(3) 'तरप्-तमप्' इत्यनयोः (4) 'शत्-शानच्' इत्यनयोः

121. 'या तु स्वयमेवाध्यापिका' तत्र भवति प्रयोगः--

- (1) उपाध्यायानी (2) आचार्यानी (3) उपाध्याया (4) आचार्याणी

122. 'श्वशुर' शब्दस्य स्त्रीत्वविवक्षायां निष्पद्यते--

- (1) श्वशुरी (2) श्वशुर्या (3) श्वशुराणी (4) श्वश्रूः

123. 'अकालकं व्याकरणमि' ति कस्य सञ्ज्ञासीत्?

- (1) सारस्वतव्याकरणस्य (2) कातन्त्रव्याकरणस्य
(3) चान्द्रव्याकरणस्य (4) पाणिनिव्याकरणस्य

11P/250/1

124. 'अ इ उ ऋ लृ' एषां स्वराणां पूर्वाचार्यविहिता सञ्ज्ञासीत्--

- | | |
|----------------------|---------------------|
| (1) 'ह्रस्वस्वर' इति | (2) 'दीर्घस्वर' इति |
| (3) 'मिश्रस्वर' इति | (4) 'समानाक्षर' इति |

125. 'अनुप्रदानमि' ति सञ्ज्ञास्ति--

- | | | | |
|------------------|------------------------|------------------|-----------------|
| (1) बाह्ययत्नस्य | (2) आध्यन्तरप्रयत्नस्य | (3) अल्पप्राणस्य | (4) महाप्राणस्य |
|------------------|------------------------|------------------|-----------------|

126. 'व्यासस्यापत्यं' भवति--

- | | | | |
|------------|-------------|--------------|--------------|
| (1) वैयासः | (2) वैयासिः | (3) वैयासकिः | (4) वैयासेयः |
|------------|-------------|--------------|--------------|

127. 'जरत्या अपत्यं' भवति--

- | | | | |
|-------------|-------------|------------|---------------|
| (1) जारतेयः | (2) जारतिकः | (3) जरतीयः | (4) जारतिनेयः |
|-------------|-------------|------------|---------------|

128. 'कुण्डलानां समूहः' इति विग्रहे रूपम्--

- | | | | |
|--------------|--------------|---------------|--------------|
| (1) कुण्डलता | (2) कौण्डलम् | (3) कुण्डलिनी | (4) कुण्डलम् |
|--------------|--------------|---------------|--------------|

129. 'जनिकर्तुः प्रकृतिः' इत्यस्योदाहरणमस्ति--

- | | |
|----------------------------|-----------------------------|
| (1) हिमवतो गङ्गा प्रभवति | (2) मातुर्निलीयते कृष्णः |
| (3) गोमयाद् वृश्चिको जायते | (4) अध्ययनात् पराजयते मन्दः |

130. 'सम्प्रति भवतः शायिकास्ति' इत्यत्र षष्ठीविधायकं सूत्रमस्ति--

- | | |
|------------------------|-----------------------|
| (1) उभयप्राप्तौ कर्मणि | (2) अधिकरणवाचिनश्च |
| (3) कर्तृकर्मणोः कृति | (4) क्तस्य च वर्तमाने |

131. 'अपवर्गे तृतीये' त्यस्योदाहरणमस्ति--

- | | |
|---------------------------------------|--------------------------|
| (1) पुण्येन दृष्टो हरिः | (2) शशिना सह याति कौमुदी |
| (3) द्वादशभिर्वर्षैर्व्याकरणं श्रूयते | (4) धनेन कुलम् |

132. 'आकुमाराद् यशः पाणिनेः' इत्यत्र पञ्चमी-- विधायकं शास्त्रं प्रवर्तते--

- | | |
|------------------------|----------------------------|
| (1) पञ्चमी विभक्तेः | (2) विभाषा गुणेऽस्त्रियाम् |
| (3) अकर्तर्युणे पञ्चमी | (4) पञ्चम्यपाङ्परिभिः |

133. 'अल्पस्य हेतोर्बहु हातुमिच्छन्' इत्यत्र षष्ठीविधायकं शास्त्रमस्ति--

- | | |
|--|-----------------------|
| (1) षष्ठ्यतसर्थप्रत्ययेन | (2) षष्ठी हेतुप्रयोगे |
| (3) निमित्तपर्यायप्रयोगे सर्वासां प्रायदर्शनम् | (4) षष्ठी शेषे |

134. 'गवां गोषु वा कृष्णा बहुक्षीरा' इत्यत्र षष्ठी-सप्तमी विधायकं सूत्रमस्ति--

- | | |
|----------------------|---------------------------------------|
| (1) षष्ठी चानादरे | (2) दूरान्तिकार्थैः षष्ठ्यन्यतरस्याम् |
| (3) यतश्च निर्धारणम् | (4) षष्ठ्यतसर्थप्रत्ययेन |

135. 'तिष्ठन्ति गावो यस्मिन् काले स तिष्ठद्गु दोहनकालः' इत्यत्र समासोऽस्ति--

- | | | | |
|----------------|----------------|---------------|---------------|
| (1) अव्ययीभावः | (2) बहुव्रीहिः | (3) कर्मधारयः | (4) द्वन्द्वः |
|----------------|----------------|---------------|---------------|

136. उन्मत्तगङ्गं नाम देशः' इत्यत्र समासो ज्ञेयः--

- | | | | |
|----------------|---------------|----------------|---------------|
| (1) अव्ययीभावः | (2) तत्पुरुषः | (3) बहुव्रीहिः | (4) कर्मधारयः |
|----------------|---------------|----------------|---------------|

11P/250/1

137. 'पुमान् स्त्रियाः' इत्यत्रैकशेषस्योदाहरणमस्ति--

- (1) रामश्च रामश्च = रामौ
- (2) गार्ग्यश्च गार्ग्यायणश्च = गार्ग्यौ
- (3) हंसश्च हंसी च = हंसौ
- (4) शुक्लश्च शुक्ला च शुक्लं च = शुक्लानि

138. 'आत्मनेपदमि' त्यत्र विभक्तेरलुक्विधायकं सूत्रमस्ति--

- (1) आत्मनश्च
- (2) वैयाकरणाख्यायां चतुर्थ्याः
- (3) परस्य च
- (4) आज्ञायिनी च

139. 'मनसि जातः = मनसिजः' इत्यत्र सप्तम्याः अलुक्विधायकमस्ति--

- (1) तत्पुरुषे कृति बहुलम्
- (2) मनसः सञ्ज्ञायाम्
- (3) हलदन्तात् सप्तम्याः सञ्ज्ञायाम्
- (4) अमूर्धमस्तकात् स्वाङ्गादकामे

140. काशिकायाः प्रथम-द्वितीय-पञ्चम-षष्ठाः वृत्तयो विरचिता आसन्--

- (1) वामनेन
- (2) जयादित्येन
- (3) हरदत्तेन
- (4) जिनेन्द्रबुद्धिना

141. अष्टाध्यायीमभिलक्ष्य 'पाणिनीयमिताक्षरा' वृत्तिविरचितासीत्--

- (1) अप्पन नैनार्येण
- (2) अन्नम्भट्टेन
- (3) शरणदेवेन
- (4) सृष्टिधरेण

142. अष्टाध्याय्याः 'शब्दकौस्तुभ' वृत्तेः प्रणेतासीत्--

- (1) अप्पयदीक्षितः
- (2) विश्वेश्वरपाण्डेयः
- (3) भट्टोजिदीक्षितः
- (4) कौण्डभट्टः

143. शब्दकौस्तुभोपरि 'विषमपदी' टीकाकार आसीत्--

- | | |
|-----------------------|---------------------|
| (1) राघवेन्द्राचार्यः | (2) विद्यानाथशुक्लः |
| (3) वैद्यनाथपायगुण्डः | (4) नागेशदटः |

144. विश्वेश्वरसूरिविरचिता अष्टाध्यायीवृत्तिरस्ति--

- | | |
|-------------------------------|-----------------------|
| (1) पाणिनीयदीपिका | (2) शाब्दिकचिन्तामणिः |
| (3) व्याकरणसिद्धान्तसुधानिधिः | (4) व्याकरणदीपिका |

145. काशिकान्यासोपरि मल्लिनाथविरचिता टीकासीत्--

- | | | | |
|-------------------|---------------------------|------------------|------------------|
| (1) तन्त्रप्रदीपः | (2) तन्त्रप्रदीपोद्घोतनम् | (3) न्यासोद्घोतः | (4) न्यासप्रकाशः |
|-------------------|---------------------------|------------------|------------------|

146. काशिकोपरि पदमञ्जरीकार आसीत्--

- | | | | |
|------------------|------------------|--------------|------------------|
| (1) हरदत्तमिश्रः | (2) रङ्गनाथयज्वा | (3) शिवभट्टः | (4) रामदेवमिश्रः |
|------------------|------------------|--------------|------------------|

147. लघुशब्देन्दुशेखरकार आसीद्--

- | | | | |
|-----------------|----------------|---------------------|----------------|
| (1) हरिदीक्षितः | (2) नागेशभट्टः | (3) भट्टोजिदीक्षितः | (4) कौण्डभट्टः |
|-----------------|----------------|---------------------|----------------|

148. प्रौढमनोरमायाः कुचमर्दनकार आसीद्--

- | | |
|--------------------------|-----------------|
| (1) पण्डितराज - जगन्नाथः | (2) नारायणभट्टः |
| (3) चक्रपाणिदत्तः | (4) कृष्णमित्रः |

149. कातन्त्रपरिशिष्टकार आसीद्--

- | | | | |
|---------------|------------------|----------------|---------------|
| (1) शर्ववर्मा | (2) श्रीपतिदत्तः | (3) विजयानन्दः | (4) कात्यायनः |
|---------------|------------------|----------------|---------------|

11P/250/1

150. हेमचन्द्रसूरिविरचितो व्याकरणग्रन्थो वर्तते--

- | | |
|-----------------------|---------------------------|
| (1) संक्षिप्तसारः | (2) सिद्धहैमशब्दानुशासनम् |
| (3) मुग्धबोधव्याकरणम् | (4) सारस्वतव्याकरणम् |

अभ्यर्थियों के लिए निर्देश

(इस पुस्तिका के प्रथम आवरण पृष्ठ पर तथा उत्तर-पत्र के दोनों पृष्ठों पर केवल नीली-काली बाल-प्वाइंट पेन से ही लिखें)

1. प्रश्न पुस्तिका मिलने के 10 मिनट के अन्दर ही देख लें कि प्रश्नपत्र में सभी पृष्ठ मौजूद हैं और कोई प्रश्न छूटा नहीं है। पुस्तिका दोषयुक्त पाये जाने पर इसकी सूचना तत्काल कक्ष-निरीक्षक को देकर सम्पूर्ण प्रश्नपत्र की दूसरी पुस्तिका प्राप्त कर लें।
2. परीक्षा भवन में लिफाफा रहित प्रवेश-पत्र के अतिरिक्त, लिखा या सादा कोई भी खुला कागज साथ में न लायें।
3. उत्तर-पत्र अलग से दिया गया है। इसे न तो मोड़ें और न ही विकृत करें। दूसरा उत्तर-पत्र नहीं दिया जायेगा। केवल उत्तर-पत्र का ही मूल्यांकन किया जायेगा।
4. अपना अनुक्रमांक तथा उत्तर-पत्र का क्रमांक प्रथम आवरण-पृष्ठ पर पेन से निर्धारित स्थान पर लिखें।
5. उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर पेन से अपना अनुक्रमांक निर्धारित स्थान पर लिखें तथा नीचे दिये वृत्तों को गाढ़ा कर दें। जहाँ-जहाँ आवश्यक हो वहाँ प्रश्न-पुस्तिका का क्रमांक तथा सेट का नम्बर उचित स्थानों पर लिखें।
6. ओ० एम० आर० पत्र पर अनुक्रमांक संख्या, प्रश्नपुस्तिका संख्या व सेट संख्या (यदि कोई हो) तथा प्रश्नपुस्तिका पर अनुक्रमांक और ओ० एम० आर० पत्र संख्या की प्रविष्टियों में उपरिलेखन की अनुमति नहीं है।
7. उपर्युक्त प्रविष्टियों में कोई भी परिवर्तन कक्ष निरीक्षक द्वारा प्रमाणित होना चाहिये अन्यथा यह एक अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
8. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के वैकल्पिक उत्तर के लिए आपको उत्तर-पत्र की सम्बन्धित पंक्ति के सामने दिये गये वृत्त को उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर दिये गये निर्देशों के अनुसार पेन से गाढ़ा करना है।
9. प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए केवल एक ही वृत्त को गाढ़ा करें। एक से अधिक वृत्तों को गाढ़ा करने पर अथवा एक वृत्त को अपूर्ण भरने पर वह उत्तर गलत माना जायेगा।
10. ध्यान दें कि एक बार स्याही द्वारा अंकित उत्तर बदला नहीं जा सकता है। यदि आप किसी प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं, तो संबंधित पंक्ति के सामने दिये गये सभी वृत्तों को खाली छोड़ दें। ऐसे प्रश्नों पर शून्य अंक दिये जायेंगे।
11. रफ कार्य के लिए प्रश्न-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के अंदर वाला पृष्ठ तथा उत्तर-पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ का प्रयोग करें।
12. परीक्षा के उपरान्त केवल ओ एम आर उत्तर-पत्र परीक्षा भवन में जमा कर दें।
13. परीक्षा समाप्त होने से पहले परीक्षा भवन से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी।
14. यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करता है, तो वह विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दंड का/की, भागी होगा/होगी।